आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून उत्तराखण्ड)
सोमवार 26.05.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- नीति आयोग ने नई दिल्ली में मध्यम उद्यमों के लिए नीति तैयार करने संबंधी रिपोर्ट जारी की।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोटद्वार स्थित मालन नदी पर पुनर्निर्मित पुल का वचुर्अली लोकार्पण किया।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने नैनीताल राजभवन में कुमाऊं मंडल और नैनीताल जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की।
- उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन के उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने हरिद्वार के ऋषिकुल मैदान में चारधाम यात्रा पंजीकरण केन्द्र का निरीक्षण किया।

नीति आयोग रिपोर्ट

नीति आयोग ने नई दिल्ली में मध्यम उद्यमों के लिए नीति तैयार करने संबंधी रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट मध्यम उद्यमों को भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य के विकास इंजन में बदलने के लिए एक व्यापक रोडमैप है। इसमें मध्यम उद्यमों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण, फिर भी कम–से–कम भूमिका पर प्रकाश डाला गया है और उनकी पूरी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए लक्षित युक्तियों की रूपरेखा तैयार की गई है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत और डॉ. अरविंद विरमानी की उपस्थिति में ये रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में मध्यम उद्यमों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों को रेखांकित किया गया है। जिसमें अनुरूप वित्तीय उत्पादों तक सीमित पहुंच, उन्नत तकनीकों को सीमित रूप से अपनाना, अपर्याप्त अनुसंधान और विकास सहायता, क्षेत्रीय परीक्षण बुनियादी ढांचे की कमी और उद्यम की ज़रूरतें शामिल हैं। रिपोर्ट में जोर दिया गया है कि मध्यम उद्यमों की क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए समावेशी नीति डिजाइन और सहयोगात्मक शासन की दिशा में बदलाव करने की आवश्यकता है।

मालन पुल कोटद्वार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार स्थित मालन नदी पर पुनर्निर्मित पुल का वचुर्अली लोकार्पण किया। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न योजनाओं का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य में नवीनतम तकनीकी विधियों का उपयोग कर इस पुल को न्यूनतम लागत में तैयार किया गया है, जिससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि गुणवत्ता भी सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि ये सभी परियोजनाएं कोटद्वार क्षेत्र के समग्र विकास में

मील का पत्थर सिद्ध होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश को सुविकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष और कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि अब लोगों को आवाजाही में कोई परेशानी नहीं होगी।

<u>मत्स्य पालन पौड़ी</u>

पौड़ी जिले में मत्स्य पालन किसानों की आय का साधन बनने लगा है। पिछले चार वर्षों में इस क्षेत्र से जुड़ने वाले किसानों की संख्या में दोगुनी वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही मत्स्य उत्पादन में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह स्थानीय लोगों के लिए लाभकारी व्यवसाय बनता जा रहा है। जिला मत्स्य अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने बताया कि अभी जिले में 600 से अधिक किसान मत्स्य पालन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से किसानों को तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जिससे उत्पादन गुणवत्ता में सुधार हो रहा है।

पिछले दस वर्षों से मत्स्य पालन से कर रहे अनिल रावत ने बताया कि यह कार्य न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि इससे युवाओं को रोजगार का भी अवसर मिल रहा है।

<u>राज्यपाल समीक्षा</u>

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने आज नैनीताल राजभवन में कुमाऊं मंडल और नैनीताल जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अलग–अलग बैठकें कर प्रशासनिक, विकासात्मक और पर्यटन संबंधी स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने मंडलायुक्त दीपक रावत से कुमाऊं मंडल के प्रमुख विषयों पर चर्चा की और नैनीताल में पर्यटकों के अत्यधिक आगमन से उत्पन्न यातायात दबाव की स्थायी समस्या के समाधान के लिए दीर्घकालिक योजना बनाने को कहा। राज्यपाल ने सुझाव दिया कि नैनीताल के अतिरिक्त अन्य पर्यटन स्थलों का विकास कर पर्यटकों का संतुलन बनाया जाना चाहिए। इसके बाद उन्होंने कुमाऊं परिक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक रिद्धिम अग्रवाल से कानून व्यवस्था और यातायात नियंत्रण की जानकारी ली। साथ ही जिलाधिकारी वंदना और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पी.एन मीणा से जिले में चल रही योजनाओं, विकास कार्यों और सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों की सुविधा तथा क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए सभी योजनाओं को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाए।

<u>पंजीकरण केंद्र निरीक्षण</u>

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन के उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने आज हरिद्वार के ऋषिकुल मैदान पहुंचकर चारधाम यात्रा पंजीकरण केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंजीकरण केन्द्र पर यात्रियों की सुविधा के लिए पंजीकरण काउंटर, बैठने, पेयजल, शौचालय, चिकित्सा, सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा–निर्देश दिये। उन्होंने श्रद्धालुओं से बातचीत करते हुए विभिन्न विषयों पर फीडबैक भी लिया। पंजीकरण केन्द्र पहुंचे सभी श्रद्धालुओं ने पंजीकरण के लिए किये गये प्रबंध की प्रशंसा की। श्री रूहेला ने पत्रकारों से वार्ता में कहा कि चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी व्यवस्थाएं चाक–चौबंद की गई हैं और संबंधित अधिकारियों द्वारा बेहतर ढंग से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 2 लाख 60 हजार तीर्थयात्रियों ने अब तक ऑफलाइन पंजीकरण करा लिया है। उन्होंने जिला पर्यटन विकास अधिकारी को निर्देश दिये कि चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों को पंजीकरण कराने में किसी भी प्रकार की परेशानी या असुविधा न हो।

वट सावित्री

बागेश्वर जिले में वट सावित्री व्रत के पावन अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पतियों की दीर्घायु और सुख–समृद्धि की कामना करते हुए परंपरागत पूजा–अर्चना की। आज सुबह से ही बागनाथ मंदिर परिसर में सुहागिन महिलाओं ने विधिवत व्रत कथा सुनी और सावित्री–सत्यवान की अमर गाथा को स्मरण करते हुए वटवृक्ष की पूजा की। वट सावित्री का व्रत रखने वाली महिला आकांक्षा दफौटी ने बताया कि वो हर साल वट सावित्री का व्रत रखती हैं।

पंडित कैलाश उपाध्याय ने बताया कि वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व है। सावित्री ने जिस तरह अपने तप और श्रद्धा से सत्यवान को यमराज से वापस पाया, उसी श्रद्धा से यह व्रत किया जाता है।
उधर, चंपावत जिले के विभिन्न मंदिरों और वट वृक्षों पर सुबह से ही सुहागिन महिलाओं ने पूजा–अर्चना कर अपने पतियों की लंबी उम्र की कामना की। नेहा भट्ट ने बताया कि सभी सुहागिन महिलाओ ने वट वृक्ष की पूजा–अर्चना की।